(ii) DVOR and DME are being installed at a cost of Rs. 2.10 crores. The work is likely to be completed by August, 1995.

(5) PORBANDER : A new passenger terminal is proposed to be constructed at an estimated cost of Rs. 3.00 crores and is expected to be completed in 2 years from the date of award.

(6) JAMNAGAR : VOR and DME is proposed to be installed at an estimated cost of Rs. 2.00 crores and is expected to be installed by August, 1995.

**Business of ITDC**

2534. SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :—

(a) whether the hotels run by the India Tourism Development Corporation have augmented their business during the last two years ;

(b) if so, the details thereof;

(c) the names of the ITDC hotels which utilised more than 90% of their capacity during the last year; and

(d) the steps being taken by Government for development of the ITDC hotels in Gujarat ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GULAM NABI AZAD) : (a) and (b) Yes, Sir. The performance of ITDC hotels during the last two years has improved as per details given below :

| Year | Room Occupancy | Turnover | Net profit/ Loss |
|---|---|---|---|
| | | | (Rs. in crores) |
| 1991-92 . . | [illegible] | 84.25 | (—)5.89 |
| 1992-93 . . | 53% | 96.44 | [illegible] |
| 1993-94 . . | 54% | 114.45 | (+)8.28 |

(c) Due to seasonal factors none of the ITDC hotels achieved more than 90% occupancy during the last year.

(d) ITDC's Annual Plans for 1994-95 and 1995-96 do not envisage any specific plan scheme/provision for construction of hotels in the state of Gujarat.

**निजी एयर टैक्सियों के विमान किराए**

2535. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार निजी एयर टैक्सियों द्वारा देश भर में, विशेषकर जहां इन्हें उड़ान प्रचालन का एकाधिकार प्राप्त हो गया है, मनमाने ढंग से किराया वसूल किए जाने पर रोक लगाने की दृष्टि से वायु निगम अधिनियम में संशोधन करने का विचार रखती है ; और

(ख) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं तो उसके क्या कारण है ?

**नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद)** : (क) और (ख) हवाई टैक्सी प्रचालक अपने वाणिज्यिक विवेक के अनुसार किराया निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र है। वायु निगम अधिनियम का निरसन हो चुका है।

**वायुदूत और इंडियन एयरलाइन्स का विलय**

2536. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **नागरिक विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वायुदूत और इंडियन एयरलाइन्स के विलय की प्रक्रिया अब पूरी हो गई है ; और

(ख) यदि हां, तो यह प्रक्रिया कब पूरी हुई थी, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है और इसके कब तक पूरा हो जाने की संभावना है ?

**नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद)** : (क) जी, नहीं।

(ख) दोनों कम्पनियों का विलय, वर्ष 1992-93 के लेखों को अन्तिम रूप दिए जाने और समावेशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही सम्भव हो सकेगा। अतः इस कार्य में कुछ और समय लगने की सम्भावना है। विलय सम्पन्न होने की समयावधि बताना अभी कठिन है।